सीरी के वैज्ञानिकों की खोज

राहत : नई तकनीक से अब कैंसर रोगियों का ऑपरेशन होगा आसान

एक्सक्लूसिव

पूर्णतया स्वदेशी तकनीक से उपकरण बनाया

उत्पल शर्मा
rajasthanpatrika.com

पिलानी. केन्द्रीय इलेक्ट्रोनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) के वैज्ञानिकों ने कैंसर जैसी घातक बीमारी का पता लगाने की तकनीक खोज निकाली है। वैज्ञानिकों की ओर से इजाद की गई तकनीक से किए गए अब तक के सभी प्रयोग सफल रहे हैं। सब कुछ ठीक रहा तो कैंसर रोगाणु जांच मशीन का फायदा अगले कुछ समय में रोगियों को मिलने लगेगा।

पिलानी. कैंसर जांच मशीन बनाने वाले सीरी संस्थान के वैज्ञानिक उपकरण के साथ।

वैज्ञानिक बताते हैं कि चिकित्सक जब कैंसर रोग से प्रभावित रोगी की शल्य चिकित्सा करते हैं तो उस समय रोगी के शरीर पर कैंसर रोग कहां तक फैला है, इसकी जांच ऑपरेशन टेबल पर करने के लिए स्वदेशी उपकरण नहीं था। जिसके अभाव में चिकित्सक की ओर से ऑपरेशन करते समय रोगी के कैंसर रोग से प्रभावित क्षेत्र में कैंसर के कुछ रोगाणु शेष रहने की आशंका होती है। रोगी को कैंसर रोग से मुक्त करने के लिए सीरी संस्थान के वैज्ञानिकों को पूर्णतया स्वदेशी तकनीक के बल इस प्रकार के उपकरण का निर्माण करने में सफलता मिली है। जिससे ऑपरेशन करते समय ही चिकित्सक रोगी के रोग प्रभावित क्षेत्र की जांच कर सकेगा तथा जांच के आधार पर कैंसर रोगाणुओं को हटा कर रोगी को रोग मुक्त कर सकेंगे।

अनुसंधान करने वाली टीम के प्रभारी एवं सीरी संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डा. अजय अग्रवाल बताते हैं कि अभी मशीन के मॉडल को अंतिम आकार नहीं दिया गया है। मगर यह पोर्टेबल होगी। जिसे कहीं भी ले जाया जा सकता है तथा स्वदेशी होने के कारण मात्र पांच से सात लाख रुपयों की कीमत में उपलब्ध होने की संभावना है।

कैंसर कोशिकाओं का पता लगाने के लिए ऐसी तकनीक पर आधारित मशीनें मौजूद नहीं हैं। उन्होंने बताया कि मशीन को बनाने में वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद के अंतर्गत संचालित सीरी संस्थान के अलावा कई प्रयोगशालाओं का योगदान रहा है। मशीन के देशभर के कई अस्पतालों में प्रयोग किए गए हैं जो बेहद सफल रहे हैं। सब कुछ ठीक ठाक रहा तो अगले कुछ समय में मशीन का उत्पादन शुरू करने के लिए तकनीक को ट्रांसफर किया जाना है।